ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विष्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–76
दिनांक– मंगलवार, 27 अक्टूबर, 2020

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमषः 31.7 एवं 20.8 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 91 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 63 प्रतिशत, हवा की औसत गति 5.5 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण 2.2 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाष अवधि औसतन 7.3 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 25.5 एवं दोपहर में 30.4 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(28 अक्टूबर–01 नवम्बर, 2020)

- ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 28 अक्टूबर –01 **नवम्बर** तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–
- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान में हल्के बादल रह सकते हैं। इस अवधि में मौसम के शुष्क रहने की सम्भावना है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 31 से 33 डिग्री सेल्सियस एवं न्यूनतम तापमान 20–22 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।
- पूर्वानुमानित अवधि में पछिया हवा चलने का अनुमान है। 1 नवम्बर से पूरवा हवा चल सकती है। औसतन 8–10 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 80 से 85 प्रतिषत तथा दोपहर में 35 से 40 प्रतिषत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- शुष्क मौसम की संभावना को देखते हुए किसान अगात धान एवं मक्का की तैयार फसलों की कटाई एवं झराई करें। कटाई के बाद धान की फसल को 2–3 दिनों तक खेत में सूखने के लिए रहने दें एवं उसके बाद धान की झड़ाई करें। खड़ी फसलों में कीट–व्याधि का निरीक्षण करते रहें।
- आलू, मक्का, चना, मटर, राजमा, मेथी एवं लहसुन फसलों के समय से बुआई के लिए खेतों की तैयारी करें। गोबर की सडी खाद 150–200 क्विंटल प्रति हेक्टेयर की दर से पुरे खेत में अच्छी प्रकार विखेरकर एवं जुताई कर मिला दें। खेतों में अंकुरण के लायक नमी बनाये रखने के लिए खाली खेतों की प्रत्येक जुताई के बाद पाटा अवष्य चला दें।
- सूर्यमुखी की बुआई करे। बुआई के समय खेत की जुताई में 30–40 किलोग्राम नेत्रजन, 80–90 किलोग्राम फॉस्फोरस एवं 40 किलोग्राम पोटास का व्यवहार करे। उत्तर बिहार के लिए सूर्यमूखी की उन्नत संकुल प्रभेद मोरडेन, सूर्या, सी0ओ0–1 एवं पैराडेविक तथा संकर प्रभेद के लिए बी0एस0एच0–1, के0बी0एस0एच0–1, के0बी0एस0एच0–44, एम0एस0एफ0एच0–1, एम0एस0एफ0एच0–8 एवं एम0एस0एफ0एच0–17 अनुसंषित है। संकर किस्मों के लिए बीज दर 5 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तथा संकुल किस्मों के लिए 8 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर रखें। बुआई से पहले प्रति किलोग्राम बीज को 2 ग्राम थीरम या कैप्टाफ दवा से उपचारित कर बुआई करे। ?
- मटर की बुआई करें। इसके लिए *रचना, मालवीय मटर–15, अपर्णा, हरभजन, पूसा प्रभात एवं भी0 ऐल0–42* किस्में अनुसंषित है। बीज दर 75–80 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तथा लगाने की दुरी 30ग10 से0मी0 रखें। बीज को उचित राइजोबियम कल्चर (5 पैकेट प्रति हेक्टेयर) से उपचारित कर बुआई करे।
- धनियाँ की बुआई करें। राजेन्द्र स्वाती, पंत हरितिमा, कुमारगंज सेलेक्षन, हिसार आंनद धनियाँ की अनुसंषित किस्में है। पंक्ति में लगाने पर बीज दर 18–20 कि0ग्रा0 प्रति हेक्टेयर तथा लगाने की दुरी 30ग20 से0मी0 रखें। 2.5 ग्राम बेविस्टीन प्रति किलोग्राम बीज की दर से बीज को उपचारित करें। अच्छे जमाव के लिए बीज को दररकर दो भागो में विभाजित कर बुआई करें।
- सरसों एवं राई की बुआई करें। सरसों के लिए उन्नत प्रभेद 66–197–3, राजेन्द्र सरसों–1 तथा स्वर्णा एवं राई के लिए किस्में वरुणा, पूसा वोल्ड, क्रान्ति एवं पूसा महक इस क्षेत्र के लिए अनुसंषित हैं। बीज दर 5 किलोंग्राम प्रति हेक्टेयर तथा बुआई 30ग10 से0मी0 पर कतार में करें। बुआई के समय खेत की जुताई में 30–40 किलोग्राम नेत्रजन, 40 किलोग्राम स्फुर, 40 किलोग्राम पोटास एवं 30 से 40 किलोग्राम गंधक प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करे।
- लहसुन की बुआई छोटी–छोटी क्यारियों में करें। क्यारियों का आकार जिसमें चौराई 1 से 2 मीटर तथा लम्बाई अपनेनुसार 3 से 5 मीटर रखें। प्रत्येक 2 क्यारियों के बीच जल निकास के लिए नाली अवष्य बनावें। गोदावरी (सेलेक्सन–1), श्वेता (सेलेक्सन–10), एग्रीफाउंड डार्करेड (जी–11), एग्रीफाउंड व्हाईट (जी–41), एग्रीफाउंड पार्वती (जी–313), जमुना सफेद–2 (जी0–50), जमुना सफेद–3 (जी0–282), जमुना सफेद–4 (जी0–323) एवं आर0ए0यू0 (जी–5) लहसुन की अनुसंषित किस्में है। बीज दर 300–500 किलोग्राम जावा प्रति हेक्टेयर तथा लगाने की दुरी 15ग10 से0मी0 रखें। खेत की जुताई में प्रति हेक्टेयर 200 से 250 क्विंटल कम्पोस्ट, 60 किलोग्राम नेत्रजन, 80 किलोग्राम फॉसफोरस, 80 किलोग्राम पोटास एवं 20–40 किलोग्राम सल्फर का प्रयोग करें।
- मसुर के मल्लिका(के0–75), अरुण (पी0एल0 77–12), बी0आर0–25 के0एल0एस0– 218, एच0यू0एल0–57, पी0एल0–5 एवं डब्लू0वी0एल0 77 किस्मो की बुआई कर सकते है। बुआई के समय खेत की जुताई में 20 किलोग्राम नेत्रजन, 45 किलोग्राम फॉसफोरस, 20 किलोग्राम पोटास एवं 20 किलोग्राम सल्फर का व्यवहार करें। बुआई के 2–3 दिन पूर्व कार्बेन्डाजीम फूंदनाषक दवा का 1.0 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से शोधित करें। तत्पष्चात कीटनाषी दवा क्लोरपाईरीफॉस 20 ई.सी. का 8 मि.ली. प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें। बुआई के ठीक पहले उपचारित बीज को उचित राईजोबियम कल्चर (5 पैकेट प्रति हेक्टेयर) से उपचारित कर बुआई करें। छोटे दाने की प्रजाति के लिए बीज दर 30–35 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर एवं बड़े दाने के लिए 40–45 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर एवं बुआई की दुरी पंक्ति से पंक्ति 30 से0मी0 रखें।

आज का अधिकतम तापमानः 31.8 डिग्री सेल्सियस,
सामान्य से 0.1 डिग्री अधिक

आज का न्यूनतम तापमानः 18.1 डिग्री सेल्सियस,
सामान्य से 0.6 डिग्री अधिक

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी

(डॉ0 ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी